जुआन बोबो और सुअर

प्यूर्टो रिकान लोककथा



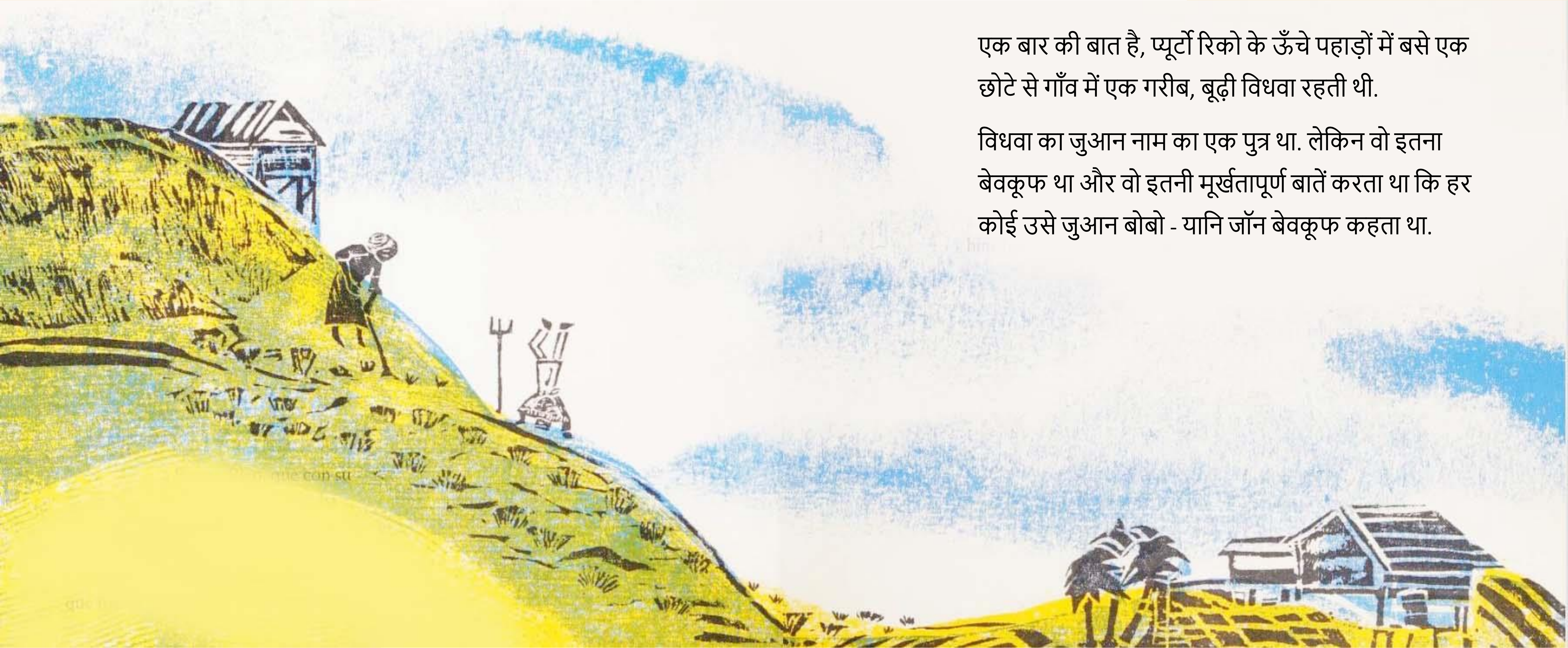


जुआन बोबो और सुअर

प्यूर्टो रिकान लोककथा

एक बार की बात है, प्यूर्टो रिको के ऊँचे पहाड़ों में बसे एक छोटे से गाँव में एक गरीब, बूढ़ी विधवा रहती थी.

विधवा का जुआन नाम का एक पुत्र था. लेकिन वो इतना बेवकूफ था और वो इतनी मूर्खतापूर्ण बातें करता था कि हर कोई उसे जुआन बोबो - यानि जॉन बेवकूफ कहता था.



जुआन बोबो छोटा था, तो माँ उससे कहती थी, " जुआन! काश तुम कुछ गहराई से सोचते."

लेकिन माँ को जल्द ही पता चला कि जुआन जितना अधिक सोचता था, वो उतनी ही अधिक परेशानी में पड़ता था.

फिर माँ ने जुआन से कहा , "जुआन! यही अच्छा होगा कि तुम कम सोचो." और इससे जुआन बोबो बहुत प्रसन्न हुआ.





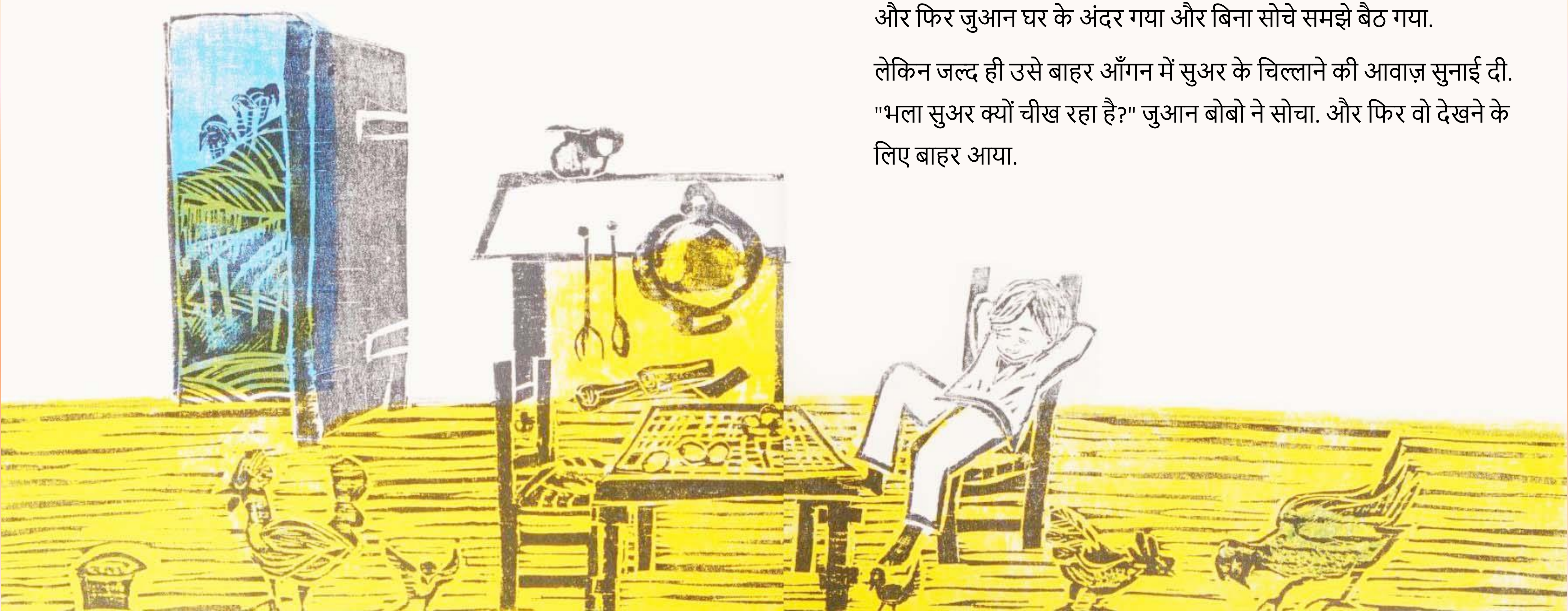
एक दिन, जुआन बोबो की मां ने उसे खेत में से बुलाया और कहा, "देखो जुआन, मैं थोड़ी देर के लिए चर्च जा रही हूं. बेहतर होगा कि तुम घर के अंदर ही रहो और जानवरों की देखभाल करो. ज़्यादा सोचना मत नहीं तो मेरे जाते ही तुम मुसीबत में पड़ जाओगे?"

"चिंता मत करो, माँ," जुआन बोबो ने कहा. "मैं बिल्कुल वैसा ही करूंगा जैसा आपने कहा है."



और फिर जुआन घर के अंदर गया और बिना सोचे समझे बैठ गया.

लेकिन जल्द ही उसे बाहर आँगन में सुअर के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी. "भला सुअर क्यों चीख रहा है?" जुआन बोबो ने सोचा. और फिर वो देखने के लिए बाहर आया.



"क्या मामला है?" उसने सुअर से पूछा. "जैसे ही माँ तुम्हें छोड़ कर जाती हैं, तुम्हें परेशानी होने लगती है. तुम क्या चाहते हो?"

"ओइनक! ओइनक!" सुअर चीखता रहा.

"यह कैसा उत्तर है?" जुआन बोबो ने पूछा. "अगर तुम सिर्फ ओइनक-ओइनक करोगे, तो मुझे कैसे पता चलेगा कि तुम क्या चाहते हो?"

सुअर ने फिर से "ओइनक! ओइनक!" कहा.

"अगर तुम बात नहीं करोगे," जुआन बोबो ने कहा, "तो फिर मुझे खुद ही अनुमान लगाना होगा कि तुम क्या चाहते हो."

और फिर जुआन बोबो सोचने लगा.

"सुअर भूखा तो हो नहीं सकता," उसने सोचा. "माँ ने जाने से पहले ही उसे खाना खिलाया था. सुअर को नींद भी नहीं आ रही होगी," उसने सोचा. "क्योंकि वो अभी-अभी सोकर उठा था."

जुआन बोबो ने सुअर की ओर देखा. जुआन बोबो ने कहा, "मुझे पता है कि तुम क्यों चिल्ला रहे हो."

"माँ के बिना तुम अकेला महसूस कर रहे हो. तुम चर्च जाना चाहते हो और माँ के साथ रहना चाहते हो, क्यों है ना?"

"देखो, तुम चर्च नहीं जा सकते हो!" जुआन बोबो ने सुअर से कहा. "चर्च जाने के लिए तुम्हें पूरी तरह से तैयार होना होगा. इसलिए चर्च जाने के बारे में भूल जाओ, और शोर मचाना बंद कर दो."

लेकिन फिर, जुआन बोबो को सुअर के लिए खेद महसूस हुआ.

उसने कहा, "ठीक है. तुम चर्च जा सकते हो. लेकिन उसके लिए तुम्हें पहले ठीक से कपड़े पहनने होंगे."

और फिर जुआन, सुअर को घर के अंदर ले गया.





जुआन बोबो ने उन दराजों को खोला जहाँ माँ अपना सामान रखती थीं. नीचे की दराज में उसे दो कपड़े मिले. सावधानी से, उसने सबसे अच्छा कपड़ा चुना और सुअर को पहना दिया.

बीच की दराज में, उसे एक रंगीन रिबन मिला. उसने रिबन को सुअर के सिर के चारों ओर बांध दिया.

ऊपर की दराज में, उसे मोतियों की एक माला मिली जो माँ ने अपनी शादी में पहनी थी. उसने वो माला सुअर के गले में लटका दी.

वहीं उसे सोने की बालियां मिलीं जो मां अक्सर दावतों में पहनती थीं. उसने वो बालियां सुअर के कानों में लटका दीं.

अंत में, उसे अपनी माँ की चप्पलें मिलीं और उन्हें उसने सुअर के पिछले पैरों में पहना दीं.



अब सुअर तैयार था. जुआन बोबो ने उसे बाहर ले जाकर सड़क पर रखा.

"तुम्हें चर्च का रास्ता खुद ही ढूँढ़ना होगा क्योंकि मुझे घर पर ही रहना है," उसने सुअर से कहा. "चलो, अब दौड़ो और माँ के साथ वापस आना."

और फिर जुआन बोबो ने घर के अंदर जाकर दरवाजा बंद कर लिया.

जैसे ही सुअर को पता चला कि वो अकेला था, उसने चप्पलों को लात मारी और फिर भागने लगा.



वह सीधे पास के एक कीचड़ भरे तालाब की ओर भागा, और उसके अंदर कूद गया. वो कीचड़ में इधर-उधर लुढ़कता रहा, लोटता रहा और अपने कपड़ों से बाहर निकलने की कोशिश करता रहा.





थोड़ी देर बाद, जुआन बोबो की माँ घर आईं. उनकी चप्पलें सड़क पर क्या कर रही थीं? वो उन्हें अंदर ले गईं और उन्होंने जुआन बोबो से उनके बारे में पूछा.

"अरे वो शरारती सुअर!" जुआन बोबो ने कहा. "उसने ही उन चप्पलों को लात मारी होगी. शायद वे उसके पैरों में बहुत तंग होंगी."

"बहुत तंग? तुम्हारा क्या मतलब?" माँ ने पूछा. "वो सुअर मेरी चप्पल के साथ सड़क पर क्या कर रहा था?"

जुआन बोबो ने कहा, "वो सुअर बहुत अकेला था इसलिए मैंने उसे कपड़े पहनाए और उसे आपके पास चर्च भेज दिया. क्या आपने उसे वहां नहीं देखा?"

"तुमने क्या किया?" जुआन की माँ चिल्लाई. "तुम एकदम बेवकूफ हो! एकदम पागल हो! मैं तुम्हें ज़बरदस्त सबक सिखाऊंगी. मैं तुम्हारी ऐसी पिटाई करूंगी जिसे तुम कभी नहीं भूलोगे!"

और फिर माँ सुअर की तलाश में घर से बाहर निकलीं.



जब तक वो तालाब के पास पहुंची, गुस्से में आए सुअर ने कपड़े फाड़ दिए थे और वो रिबन के आखिरी टुकड़े को चबा रहा था.

जुआन बोबो की मां ने सुअर को रस्सी से बांध दिया और उसे वापस आँगन में ले गईं.



फिर, वो घर में अंदर गई और उन्होंने जुआन बोबो की जमकर पिटाई लगाई.
वो सबक जुआन बोबो ज़िंदगी भर नहीं भूला.



जुआन बोबो उस पिटाई को कभी नहीं भूला.

लेकिन सबक क्या था?

वो उसे याद नहीं रहा.



समाप्त